श्री अटल बिहारी वाजपेयी : राजस्थान सरकार के गजट में यह प्रकाशित हो गया था कि श्री रामनिवास मिर्धा राजस्थान सरकार में मंत्री बनते जा रहे हैं ।

श्री ए० पी० शर्मा (बक्सर) : जा रहे थे, लेकिन गये नहीं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं इस सवाल पर आप की व्यवस्था चाहता हूं । क्या इस प्रकार का एक सदस्य केन्द्र और राज्य में एक साथ मंत्री हो सकता है ।

अध्यक्ष महोदय : अभी तो वहां गये ही नहीं, पता नहीं आप कैसे कहते हैं कि मंत्री बन गये ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उन को एप्वाइन्टमेन्ट घोषित कर दिया गया था ।

अध्यक्ष महोदय : लेकिन वह मंत्री बने ही नहीं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह दूसरी बात है, उन को बाद में डिस-एप्वाइन्टमेन्ट हुआ । लेकिन यह बड़ा पेचीदा मामला है ।

अध्यक्ष महोदय : आप क्यों इस बात में पड़ते हैं ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : लेकिन ऐसे मामले इसी समय उठा सकते हैं ।

MR. SPEAKER: He is neither a Member nor a Minister there. There is nothing wrong if he is a Minister for some time at both the places. But so far it is not there.

ऐसी बातों में वक्त खराब न करें । अगर ऐसी बात हो तो दूसरी बात है ।

13.10 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

THIRTY-SECOND REPORT

SHRI G. G. SWELL (Autonomous Districts): I beg to present the Thirty-second Report of the Committee on Private Members Bill and Resolutions.

13.10 hrs.

UNTOUCHABILITY (OFFENCES) AMENDMENT AND MISCELLANEOUS PROVISION BILL

EXTENSION OF TIME FOR PRESENTATION OF REPORT OF JOINT COMMITTEE

SHRI S. M. SIDDAYA (Chamarajanagar): I beg to move:

> "That this House do further extend upto the last day of the next session, the time for the presentation of the Report of the Joint Committee on the Bill to amend the Untouchability (Offences) Act, 1955 and further to amend the Representation of the People Act, 1951.

श्री मधु लिमये (बांका) : मैं इसका विरोध इसलिए करना चाहता हूं कि एक बार नहीं, दो बार नहीं, चार बार इसका समय बढ़ाया गया है । इस तरह से कमेटियों का काम चलेगा, समय पर कमेटियां अपना काम पूरा नहीं करेंगी तो इस सदन की कार्यवाही ठीक तरह से नहीं चल सकती है । इसलिए मेरी विनती है इनको इजाजत नहीं देना चाहिए ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) : मैं भी समय बढ़ाने के विरुद्ध हूं । आपको स्मरण होगा किन परिस्थितियों में यह समिति बनी थी आशा यह की गई थी